वराहमिहिर वचन

मार्च माह के प्रत्येक दिवस को अनुकूल व सफलता युक्त बनाने के उपाय.....!

03. भानु सप्तमी युक्त कालाष्टमी पर्व पर काल कर्षिणी महाकाली की उपासना करना श्रेष्ठ रहता है।

04 माता सीता जानकी के अवतरण पर्व पर सतीत्व सुहाग रक्षा दीक्षा ग्रहण करने से पूरे परिवार का जीवन निरन्तर चेतनामय बना रहता है। दीक्षा न्यौ. ₹ 1500

06. आने वाले शिवरात्रि पर्व पर नूतन रूप में अपने पूजा स्थान में पूर्ण तेजमय शीघ्र फलदायी पारद ज्योर्तिलिंग व गणपति स्थापित करें। Each ₹ 1100

07. महाशिवरात्रि पर्व शिव-गौरी के परिणय रूप में सम्पन्न करने हेतु महामृत्युंजय, अखण्ड सुहाग सौभाग्य, गणपति कार्तिकेयमय संतान सुख वृद्धि हेतु परिवार के सभी सदस्यों को दीक्षा आत्मसात् करने से शिव परिवारमय सुस्थितियां विस्तारित होती है।

Each दीक्षा न्यौ. ₹ 1800

08. महाशिवरात्रि पर्व पर सद्गुरू परिवार के सानिध्य में काशी विश्वनाथ नगरी, वाराणसी में उक्त दो दिवसीय गजकेशरी स्वर्ण शिव योग में महामृत्युंजय रूद्राभिषेक व्यक्तिगत रूप से सद्गुरूदेव जी द्वारा चेतना रूप में प्रदान किया जायेगा।

09. शनिश्चरीय फाल्गुनी अमावस्या पर नव ग्रह संताप दोष निवृति हेतु राहु शनि वक्री पाप मोचनी दीक्षा ग्रहण करें। दीक्षा न्यौ. ₹ 1100

11. सम्पूर्ण जीवन सुखद रंगोमय बना रहे इस हेतु पूजा स्थान में दीपक प्रज्जवलित कर शिवलिंग पर सूखा कुंकुम अर्पित कर अपना स्वयं का तिलक करें।

13. विनायक चतुर्थी पर जीवन में सर्व सुख शांति प्राप्ति हेतु उच्छिष्ठ गणपति स्थापित कर भगवान गणपति के बारह नामों का उच्चारण करें। उच्छिष्ठ गणपति न्यौ. ₹ 1100

16. होलाष्टक प्रारम्भ पर्व से नित्य राधा कृष्ण का स्मरण करने से हृदय भाव में प्रेम स्नेह, आनन्द की वृद्धि होती है।

20. सौभाग्य आंवला एकादशी पर भगवान विष्णु को 21 आंवला अर्पित करते हुये ''ऊँ सौभाग्य विष्णु लक्ष्मी सर्व गृहस्थ सुखे आगम नमः'' का उच्चारण कर आंवला विष्णु लक्ष्मी दीक्षा ग्रहण करने से निरन्तर जीवन में यौवनता बनी रहती है। दीक्षा न्यौ. ₹ 1500

22. महाशिवरात्रि पर्व पर नूतन रूप में जो भी शिव परिवार से युक्त पारद सामग्री प्राप्त की है उसका पुनः शिव प्रदोष पर्व पर अभिषेक सम्पन्न करें।

23. फाल्गुनी पूर्णिमा होलिका रंगोत्सव चन्द्र ग्रहण कुबेर श्रीलक्ष्मी साधना महोत्सव 22-23-24-25 मार्च को कैलाश सिद्धाश्रम, जोधपुर में सम्पन्न होगा।

25. चन्द्रग्रहण मुहूर्त में कामदेव-रति भगवान श्री कृष्ण व राधा और माता गौरी व शिव से युक्त हवन-पूजन कर त्रि देवत्व शक्ति दीक्षा प्रदान की जायेगीं।

दीक्षा न्यौ. ₹ 2100

30. पारिवारिक जीवन में राधा-कृष्णमय प्रेम विस्तार हेतु पूजा स्थान में जो भी नूतन विग्रह है उस पर पाँच तरह के शुभ्र रंगो को अपने इष्ट का चिंतन करते हुये अर्पित करें।

काल निर्णय

ब्रह्म मुहूर्त का समय प्रातः 4:24 से 6:00 बजे तक ही रहता है।

दिवस	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
मार्च	17,24,31	18,25	19,26	20,27	21,28	22,29	16,23,30
अप्रैल	07,14	01,08,15	02,09	03,10	04,11	05,12	06,13
श्रेष्ठ समय दिन	06:00 से 10:00	06:00 से 07:30 10:48 से 01:12 03:36 से 05:12	06:00 से 08:24 10:00 से 12:24 04:30 से 05:12	07:36 से 09:12 11:36 से 12:00 03:36 से 06:00	06:00 से 08:24 10:48 से 01:12 04:24 से 06:00	06:48 से 10:30 04:24 से 05:12	10:30 से 12:24 03:36 से 05:12
श्रेष्ठ समय रात	06:48 से 07:36 08:24 से 10:00 03:36 से 06:00	07:36 से 10:00 01:12 से 02:48	07:36 से 10:00 12:24 से 02:00 03:36 से 06:00	06:48 से 10:48 02:00 से 06:00	07:36 से 10:00 01:12 से 02:48 04:24 से 06:00	08:24 से 10:48 01:12 से 03:36 04:24 से 06:00	08:24 से 10:48 02:00 से 03:36 04:24 से 06:00